जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 47
दिनांक 22.03.2022

क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली की दी गई बुनियादी जानकारी

विभिन्न प्रदेशों के कृषि वैज्ञानिकों व परियोजना कर्मियों ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

जबलपुर 22 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में भारत सरकार एवं विश्व बैंक से पोषित परियोजना नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी) के

अंतर्गत क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आयोजित 21 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण में विभिन्न प्रदेशों के विश्वविद्यालयों के कृषि महाविद्यालय जैसे ग्वालियर, रायपुर, पूसा दिल्ली, जयपुर, नागालैंड विश्वविद्यालय, अलीगढ़, आईसीएआर– अटारी जबलपर, टीएनएयू विश्वविद्यालय एवं कृषि विद्यापीठ अकोला के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, वैज्ञानिकों और परियोजना कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, मुख्य अन्वेषक डॉ. आर.के. नेमा, डॉ. मनोज कुमार अवस्थी (प्रिंसिपल साइंटिस्ट) के निर्देशन तथा एस. के. शर्मा के संयोजन में आयोजित हुआ था। इस प्रशिक्षण में सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली बुनियादी जानकारी तथा इनका कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग जैसे समस्या ग्रस्त मिट्टी की पहचान, फसल उत्पादन पूर्वानुमान, फसल की क्षति और प्रगति का आंकलन, फसल में पोषक तत्वों की कमी का पता लगाना, बाढ़ मानचित्रण और निगरानी के साथ–साथ क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके उपग्रह की दृश्य छवि व्याख्या, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, फसल सूची और फसल संसाधन प्रबधन, मानचित्र का भू–संदर्भन, लैंडसैट–8 उपग्रह डेटासेट को डाउनलोड करना, भूमि उपयोग भूमि आच्छादन वर्गीकृत डेटा की क्षेत्रफल गणना एवं मानचित्र तैयार करना आदि विषयों में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में 37 शिक्षकों, वैज्ञानिकों और परियोजना कर्मचारियों ने पंजीयन कराया था। जिसमें भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. पूनम तिवारी, डॉ. एन.आर. पटेल, डॉ. दीपन्विता हालदार, आईएआरआई दिल्ली से डॉ. विनय सहगल, एनआईएच रुड़की से डॉ. पी.के. मिश्रा तथा नाहेप प्रोजेक्ट से डॉ. अपर्णा वाजपेयी, डॉ. सौरभ नेमा, इजी. अंजली पटेल, ओम प्रकाश प्रजापति, इजी. कृष्णा सिंह, इजी रचित नेमा, डॉ. पी.एस. पवार, डॉ. देवेन्द्र वास्ट, सुमित काकडे, डॉ. उमाकांत रावत इजी. अलोक राजपूत और अनिकेत राजपूत के

द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण मे प्रतिभागियों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई, तथा पाठ्यक्रम को भविष्य मे होने वाले अनुसंधान के लिए उपयोगी बताया गया।

–000–